

डिजिटल भारत सक्षम भारत (डिजिटल भारत दस्तावेज) (PIB)

संदर्भ

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 'डिजिटल भारत, सक्षम भारत' संबंधी एक दस्तावेज जारी किया।
- इस दस्तावेज का उद्देश्य जनता में डिजिटल भारत की कामयाबी के बारे में प्रचार करना और जानकारी देना है।

महत्वपूर्ण बिंदु

दस्तावेज को दो भागों में बांटा गया है-

(i) भारत की डिजिटल रूपरेखा

(ii) राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों की डिजिटल रूपरेखा

- भारत की डिजिटल रूपरेखा में डिजिटल भारत कार्यक्रम के कार्यान्वयन का तुलनात्मक अध्ययन और गहन विश्लेषण किया गया है।
- डिजिटल भारत कार्यक्रम से जनजीवन में बदलाव आया है। इसके तहत नागरिकों के लिए विभिन्न सरकारी सेवाओं को प्राप्त करने में आसानी हुई है और पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व में बढ़ोतरी हुआ है।

डिजिटल इंडिया

- डिजिटल इंडिया की शुरुआत 1 जुलाई 2015 को की गयी थी।
- डिजिटल इंडिया के विजन का उद्देश्य देश को डिजिटल सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करना है। यह कार्यक्रम चालू वर्ष से 2018 तक चरणबद्ध ढंग से लागू किया गया। डिजिटल इंडिया की प्रकृति रूपांतरकारी है तथा इससे सुनिश्चित होगा कि सरकारी सेवाएं नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध हों।
- यह सरकार की सेवाओं को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रदान करने के जरिए सार्वजनिक जवाबदेही बढ़ाएगा।

डिजिटल इंडिया के उद्देश्य

प्रत्येक नागरिक की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करना

- मुख्य सुविधा के रूप में हाई स्पीड इंटरनेट सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध कराया जाएगा।
- ऑनलाइन और प्रमाणन योग्य डिजिटल पहचान।
- व्यक्तिगत स्तर पर डिजिटल और वित्तीय रूप से भागीदारी में समर्थ बनाएंगे।
- स्थानीय स्तर पर सामान्य सेवा केंद्र तक आसान पहुंच।
- देश में सुरक्षित साइबर स्पेस।

गवर्नेंस सेवाएं:

- सिंगल विंडो एक्सेस उपलब्ध कराने के लिए विभागों या अधिकार क्षेत्रों तक आसान पहुंच।
- ऑनलाइन और मोबाइल प्लेटफॉर्म से सही समय में सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना।
- व्यवसाय करने की सुगमता उपलब्ध कराने के लिए सरकारी सेवाएं डिजिटल तरीके से रूपांतरित कराना।
- एक सीमा से अधिक वित्तीय लेन-देन को इलेक्ट्रॉनिक और नकदी रहित बनाना।
- निर्णय सहायता प्रणालियों एवं विकास के लिए जीआईएस (GIS) का लाभ उठाना।

नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण

- सार्वभौमिक डिजिटल साक्षरता।
- सभी डिजिटल संसाधन सबको सुलभ कराना।

- सभी सरकारी प्रमाणपत्र क्लाउड पर उपलब्ध कराए जाएंगे।
- भारतीय भाषाओं में डिजिटल संसाधन/सेवाओं की उपलब्धता।
- भागीदारी पूर्ण प्रशासन के लिए सहयोगात्मक डिजिटल प्लेटफॉर्म।

डिजिटल इंडिया के नौ प्रमुख स्तंभ

1. ब्राडबैंड हाइवेज
2. मोबाइल कनेक्टिविटी सबको सुगम-सुलभ कराना
3. पब्लिक इंटरनेट एक्सप्रेस प्रोग्राम
4. ई-गवर्नेंस: प्रौद्योगिकी के जरिए सरकार में सुधार लाना
5. ई-क्रांति-सेवाओं की इलेक्ट्रानिक आपूर्ति
6. सबके लिए जानकारी
7. इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण
8. रोजगारों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी
9. अर्ली हार्वेस्ट प्रोग्राम्स

संस्थान और नीतियां

- इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निधि (ईडीएफ)
- लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए राष्ट्रीय केंद्र (शोध के माध्यम से अत्याधुनिकता प्राप्त करना)
- डिजिटल भारत के तहत ई-गवर्नेंस की नीतिगत पहल
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए उत्कृष्टता केंद्र (आईओटी)

भारत नेट परियोजना

- भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (बीबीएनएल) ने देश के सभी 2,50,000 ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से जोड़ा गया।
- भारत नेट परियोजना का उद्देश्य देश के प्रत्येक भाग में ई-गवर्नेंस, ई-हेल्थ, ई-एजुकेशन, ई-बैंकिंग तथा नागरिकों को अन्य सेवाएं प्रदान करने में सहायता करना है।

मेरी सरकार पोर्टल (My Gov Portal)

- प्रौद्योगिकी की मदद से भारत की वृद्धि और विकास के लिए नागरिकों और सरकार के बीच साझेदारी का निर्माण करने का अभिनव मंच है।
- सरकार का उद्देश्य इस मंच के माध्यम से नागरिकों के विचारों, सुझावों और छोटे स्तर पर योगदान के द्वारा सुशासन की दिशा में नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।